राष्ट्रीय सहारा
हल्द्वानी
नैनीताल
देहरादून। बृहस्पतिवार ● 3 नवम्बर ● 2011

'2022 तक 20 हजार मेगावाट बिजली बचाएगी सौर ऊर्जा'

▶ 12वीं पंचवर्षीय योजना में आठ मिलियन वर्ग मीटर क्षेत्रफल के सोलर-थर्मल पैनल लगाने का लक्ष्य

नैनीताल (एसएनबी)। केंद्र सरकार के नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा मंत्रालय में सोलर-थर्मल प्रोग्राम के निदेशक डा. आरपी गोस्वामी ने कहा कि वर्ष 2022 तक देश में सौर ऊर्जा के माध्यम से 20 हजार मेगावाट बिजली बचाई जाएगी जबकि 12वीं योजना के तहत आठ हजार मिलियन वर्ग मीटर क्षेत्रफल में सोलर-थर्मल पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

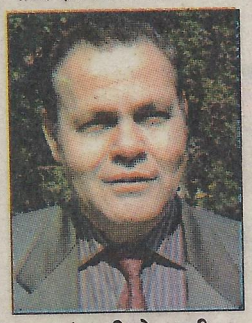

डा. आरपी गोस्वामी।

बुधवार को नगर में आयोजित एक कार्यक्रम के सिलसिले में आये डा. गोस्वामी ने बताया कि सौर ऊर्जा का प्रयोग फोटो वोल्टिक तकनीक के माध्यम से बिजली रहित इलाकों में सौर लालटेन के माध्यम से बिजली उपलब्ध कराना तथा सोलर कुकर के माध्यम से भोजन पकाने में इस्तेमाल करना है, वहीं सोलर-थर्मल पावर तकनीक के जरिये पानी को गर्म करने में इसका अधिक आसानी से प्रयोग किया जा सकता है। आज के दौर में जबकि देश के अधिकांश गांवों में बिजली की लाइनें पहुंच चुकी हैं लेकिन बिजली की कमी के कारण अनेक जगह लाइनों में बिजली की आपूर्ति नहीं हो पा रही।

इसलिये अब सौर ऊर्जा के उपयोग की प्राथमिकता भी बिजली रहित इलाकों में लोगों को बिजली उपलब्ध कराने से बदलकर विद्युत ग्रिडों पर लोड कम करना हो गया है। इसी कड़ी में जून 2010 से शुरू हुए जवाहर लाल नेहरू सोलर मिशन के तहत वर्ष 2022 तक 20 हजार मेगावाट ग्रिड पावर बचाने का लक्ष्य रखा गया है जबकि 12वीं पंचवर्षीय योजना में आठ मिलियन वर्ग मीटर क्षेत्रफल के सोलर पैनल लगाकर पानी गर्म करने का लक्ष्य रखा गया है जबकि वर्तमान में 4.6 मिलियन वर्ग मीटर क्षेत्रफल में ही सोलर पैनल उपलब्ध हैं। बताया कि देश ने 50 मेगावाट क्षमता तक के सोलर-थर्मल प्रोजेक्ट लगाने की क्षमता हासिल कर ली है जबकि पूर्व में दो से पांच मेगावाट क्षमता के प्रोजेक्ट ही लग पाते थे। उन्होंने बताया कि राज्य में मध्याह्न भोजन योजना के तहत भोजन पकाने के लिए सोलर कुकरों के इस्तेमाल के विकल्प पर विचार किया जा रहा है।

13 हजार सोलर स्ट्रीट लाइटों से जगमगाएंगे अटल आदर्श गांव

नैनीताल। इसी मौके पर उरेडा के सीनियर प्रोजेक्ट आफीसर एलडी शर्मा ने बताया कि राज्य के नौ सीमावर्ती ब्लाकों खटीमा, चंपावत, मूनाकोट, धारचूला, मुंस्यारी, जोशीमठ, मोरी, विण व लोहाघाट के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले बीपीएल क्षेणी के चयनित नागरिकों के लिये लगभग 80 हजार सोलर लालटेनें स्वीकृत हो गई हैं। इसी तरह प्रदेश के सभी 730 अटल आदर्श गांवों को 13 हजार सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाकर जगमगाया जाएगा। यह योजना भी स्वीकृत हो गई है। इनमें से नैनीताल जनपद के 44 गांवों में 722 स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि योजना में केंद्र सरकार का अंश 90 फीसद व राज्य का शेष 10 फीसद है।

होटल के बंद कमरे में सौर ऊर्जा जागरूकता

नैनीताल (एसएनबी)। बुधवार को केंद्र सरकार के नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा मंत्रालय ने राज्य सरकार के उरेडा के माध्यम से सोलर-थर्मल पावर की जागरूकता को कार्यशाला का आयोजन किया। आयोजन का जिम्मा दिल्ली की एक कंपनी ग्रीन टेक सॉल्यूशंस को दिया गया था जिसने नगर के एक दूरस्थ होटल में बंद कमरे में कार्यक्रम आयोजित कर आयोजन के जागरूकता के उद्देश्य को विफल साबित कर दिया। जागरूकता का आलम यह था कि मीडिया तक को ठीक से आयोजन की जानकारी नहीं दी गई। नगर के कई होटलों के स्वामी जरूर आयोजन में आमंत्रित किये गये थे। उन्होंने नगर के लिहाज से सोलर-थर्मल प्रोजेक्टों को गैर लाभप्रद होने की बात कही।

कार्यशाला में डा. आरपी गोस्वामी, एलडी शर्मा, डा. समीर मैथेल, पीके मिश्रा, टी अनंत, अनिल आजाद व रिचर्ड सीक्वेरिया आदि विशेषज्ञों ने उपस्थित होटलियर्स को पानी गर्म करने के लिये सोलर-थर्मल पावर के प्लांट लगाने को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रोजेक्टों में मात्र 150 रुपये प्रति लीटर का ही खर्च आता है। साथ ही वाणिज्यिक प्लांटों पर 30 तथा घरेलू प्रोजेक्टों पर 60 फीसद का अनुदान भी मिलता है। इन प्लांटों से तीसरे दिन तक गर्म पानी प्राप्त किया जा सकता है तथा अधिक दिन धूप न आने पर बिजली एलीमेंट से पानी गर्म करने की वैकल्पिक व्यवस्था भी होती है। आयोजन में वेद साह, प्रवीण शर्मा सहित कई होटल स्वामी व अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे।

नैनीताल : सौर ऊर्जा जागरूकता कार्यशाला में जानकारी देते विशेषज्ञ। फोटो : एसएनबी